[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

D

Sr. No. of Question Paper : 3026

Unique Paper Code : 2132101101

Name of the Paper : Applied Sanskrit

Name of the Course : **Hons.**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answers all questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

P.T.O.

Section–A

1. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच पदों में सन्धि कीजिए : (5×1=5)

Join Sandhis in any **five** of the following :

गिरीशः, रमेशः, इत्यादि, विद्यालयः, वधूत्सवः, शिवोऽर्च्यः, रामश्च, गंगोदकम्

2. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच पदों का विच्छेद कीजिए : (5×1=5)

Split sandhi in any **five** of the following :

दधि + उदकम्, रवि + इन्द्रः, देव + ऋषिः, महा + ऊर्मिः,

तौ + एव, शिवः + वन्द्यः, सत् + चित्, तत् + टीका

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** समस्तपदों का विग्रह कीजिए : (5×2=10)

Split Samasa in any **five** of the following words :

राजपुरुषः, घनश्यामः, कुम्भकारः, रामलक्ष्मणौ, नीलकमलम्,

पीताम्बरः, अधिहरि हस्तलिखितम्

4. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं छः शब्दों में विभक्ति की पहचान कीजिए : (2×6=12)

Identify the vibhakti in any six of the following sentences :

(i) गुरवे नमः ।

(ii) शाखायाः पुष्पाणि पतन्ति ।

(iii) वन्दे मातरम् ।

(iv) सिंहात् बिभेति ।

(v) पित्रा सह आगच्छति ।

(vi) जटाभिः तापसः प्रतीयते ।

(vii) गृहं परितः वृक्षाः सन्ति ।

(viii) उभयतः विद्यालयं वृक्षाः सन्ति ।

(ix) हनुमते नमः ।

5. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं पांच पदों का प्रकृति प्रत्यय परिचय दीजिए : (5×1=5)

Write down the root and suffix of any five of the following words :

करणीयम्, शोचनीय:, हत:, पूजितव्या, पृष्टम्, धृत:, प्रष्टव्यम्, पातव्यम्

(ख) निम्नलिखित में से प्रकृति-प्रत्यय को मिलाकर किन्हीं पांच पदों का निर्माण कीजिए- (5×1=5)

Join the root and suffix of any **five** of the following words :

पठ्+अनीयर्, गम्+तव्यत्, दृश्+क्त, वच्+क्त, कृ+तव्यत्, हस्+तव्यत्, चल्+अनीयर्

Section–B

6. निम्न आठ शब्दों के निर्देशानुसार रूप लिखिए : (8×1=8)

Write the specific form of any **eight** of the following words :

(i) कवि - द्वितीया विभक्ति बहुवचन

(ii) राम - प्रथमा विभक्ति द्विवचन

(iii) कवि - तृतीया विभक्ति बहुवचन

(iv) भानु - चतुर्थी विभक्ति एकवचन

(v) विद्या - द्वितीया विभक्ति बहुवचन

(vi) गति - तृतीया विभक्ति द्विवचन

(vii) पुस्तक - द्वितीया विभक्ति द्विवचन

(viii) मनस् - सप्तमी विभक्ति द्विवचन

(ix) नदी - सप्तमी एकवचन

(x) आत्मन् - षष्ठी एकवचन

7. निम्न पाँच रूपों के धातु, लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए : (5×2=10)

Write down the धातु, लकार, पुरुष and वचन of any **five** of the following :

स्तः, भविष्यसि, तुदेत्, बिभेति, अगच्छत्, भवेः, अदीव्यत्, करवाणि

Section–C

8. निम्न में से किन्हीं पाँच वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : (5×2=10)

Translate any **Five** of the following sentences into Sanskrit.

(i) राम पुस्तक पढ़ता है।

Ram is reading a book.

(ii) मैं खाना खाता हूँ।

I eat food.

(iii) तुम पुस्तक लिख रहे हो।

You are writing a book.

(iv) वह रामायण पढेगा।

He will read the Ramayana.

(v) वृक्ष से पत्ते गिर रहे हैं।

Leaves are falling from trees.

(vi) वे अपने गाँव जाते हैं।

They go to their village.

(vii) मोहन सोहन को पुस्तक देगा।

Mohan will give Sohan a book.

(viii) तुम मेरे साथ विद्यालय जाते हो।

You go to school with me.

3026

(ix) तुम सब कलम से लिखो ।

You write with a pen.

9. निम्नलिखित वाक्यों में से **पांच** वाक्यों को शुद्ध कीजिए : (5×2=10)

Correct any **Five** of the following sentences :

(i) अहं तिष्ठति ।

(ii) चत्वार: पर्यटका: जयपुरं अगच्छत् ।

(iii) अत्र दश फलानि अस्ति ।

(iv) बाल: कुक्कुरेण बिभेति ।

(v) नेत्रात् अन्ध: ।

(vi) यूयं कूपात् जल पिबसि ।

(vii) अहं त्वम्भि: सह गमिष्यामि ।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** वाक्यों का वाच्य परिवर्तन कीजिए : (5×2=10)

Change the voice in any **Five** sentences of the following :

(i) रामः पुस्तकं पठति ।

(ii) लतया फलं खाद्यते ।

(iii) छात्राः चित्रं पश्यन्ति ।

(iv) तौ लेखं लिखतः ।

(v) पाचकः भोजन पचति ।

(vi) अहं चित्रं पश्यामि ।

(vii) ताः पाठान् अपठन् ।

(viii) ताभ्यां धनं अलभ्यत ।

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4022 **C**

Unique Paper Code : 12131101

Name of the Paper : Classical Sanskrit Literature (Poetry)

Name of the Course : **B.A. (Hons) Sanskrit**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. (क) निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए : (3)

Translate the following :

तं सन्तःश्रोतुमर्हन्ति सदसद्व्यक्तिहेतवः।
हेम्नःसंलक्ष्यते ह्यग्नौ विशुद्धिः श्यामिकापि वा॥

अथवा / OR

तस्य संवृतमन्त्रस्य गूढाकारेङ्गितस्य च।
फलानुमेयाः प्रारम्भाः संस्काराः प्राक्तना इव॥

(ख) निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (6)

Explain the following :

वागर्थाविव सम्पृक्तौ वागर्थप्रतिपत्तये ।
जगतः पितरौ वन्दे पार्वतीपरमेश्वरौ ॥

अथवा / OR

रेखामात्रमपि क्षुण्णादामनोर्वर्त्मनःपरम्।
न व्यतीयुः प्रजास्तस्य नियन्तुर्नेमिवृत्तयः॥

2. (क) निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए : (4)

Translate the following :

यथा प्रसिद्धैर्मधुरं शिरोरुहै :जटाभिरप्येवमभूत्तदाननम्।
न षट्पदश्रेणिभिरेव पंकजं सशैवलासंगमपिप्रकाशते।।

अथवा / OR

क्लमं ययौ कन्दुकलीलयापि या तया मुनीनां चरितं व्यगाह्यत।
ध्रुवं वपुः काञ्चनपद्मनिर्मितं मृदु प्रकृत्या च ससारमेव च।।

(ख) निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (6)

Explain the following :

मनीषिताःसन्ति गृहेषु देवताः तप :क्व वत्से क्व च तावकं वपुः।
पदं सहेत भ्रमरस्य पेलवं शिरीषपुष्पं न पुनःपतत्रिणः।।

अथवा / OR

कृताभिषेकां हुतजातवेदसं त्वगुत्तरासंगवतीमधीतिनीम्।
दिदृक्षवस्तामृषयोऽभ्युपागमन्न धर्मवृद्धेषु वयः समीक्ष्यते।।

3. (क) निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए : (4)

Translate the following :

द्विषां विघाताय विधातुमिच्छतो रहस्यनुज्ञामधिगम्यभूभृतः।
ससौष्ठवौदार्यविशेषशालिनीं विनिश्चितार्थामितिवाचमाददे।।

अथवा / OR

उदारकीर्तेरुदयं दयावतः प्रशान्तबाधं दिशतोऽभिरक्षया।
स्वयं प्रदुग्धेऽस्यगुणैरुपस्तुतावसूपमानस्य वसूनि मेदिनी।।

(ख) निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (6)

Explain the following :

विशंकमानो भवतःपराभवं नृपासनस्थोऽपि वनाधिवासिनः।
दुरोदरच्छद्मजितां समीहतेन येन जेतुं जगतीं सुयोधनः।।

अथवा / OR

प्रलीनभूपालमपि स्थिरायति प्रशासदावारिधिमण्डलं भुवः।
स चिन्तयत्येव भियस्त्वदेष्यती-रहो दुरन्ता बलवद्विरोधिता ॥

4. (क) निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए : (4)

Translate the following :

स्वायत्तमेकान्तगुणं विधात्रा विनिर्मितं छादनमज्ञतायाः।
विशेषतःसर्वविदां समाजे विभूषणं मौनमपण्डितानाम्॥

अथवा / OR

येषां न विद्या न तपोनदानं ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः।
ते मर्त्यलोके भुवि भारभूता: मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति ॥

(ख) निम्नलिखित की संस्कृत में व्याख्या कीजिए : (6)

Explain the following in **Sanskrit** :

शिरः शार्वं स्वर्गात् पशुपतिशिरस्तः क्षितिधरम्,
महीध्रादुत्तुंगादवनिमवनेश्वापि जलधिम् ।
अधोऽधो गङ्गेयं पदमुपगता स्तोकमथवा,
विवेकभ्रष्टानां भवति विनिपातः शतमुखः ॥

अथवा / OR

केयूराणि न भूषयन्ति पुरुषं हारा न चन्द्रोज्ज्वलाः,
न स्नानं न विलेपनं न कुसुमं नालङ्कृता मूर्धजाः ।
वाण्येका समलंकरोति पुरुषं या संस्कृता धार्यते,
क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम् ।।

5. किन्हीं चार पर व्याकरण सम्बन्धी टिप्पणी लिखिए : (4×2=8)

Write grammatical notes on any **four** of the following :

हेतवः, जगतः, चरन्ति, प्रकृत्या, भ्रमरस्य, आददे, भवतः, समीहते ।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (8×2=16)

Answer any **two** of the following questions :

(क) किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग का सारांश लिखिए ।

Write the gist of first canto of kiratarjuniyam.

(ख) कुमारसम्भव के पंचम सर्ग के आधार पर पार्वती के चरित्र की विशेषताएँ बताइए ।

Describe the salient featuresof Parvati's character on the basis of Kumarsambhava.

(ग) रघुवंशी राजाओं के सामान्य गुणों पर टिप्पणी लिखिए।

Write a note on common traits of the Kings of Raghuvansha.

(घ) भर्तृहरि के अनुसार "मूर्ख-पद्धति" पर निबन्ध लिखिए।

Write an essay on the "मूर्ख-पद्धति" according to Bhartrihari.

(ङ) भारवि की काव्यशैली पर लेख लिखिए।

Write a note on the poetic style of Bharavi.

7. महाकाव्य के उद्भव का उल्लेख करते हुए भट्टि एवं माघ के महाकाव्यों पर टिप्पणी लिखिए। (12)

Discussing the origin of Sanskrit mahakavyas write a note on the Mahakavyas of Bhatti and Magha.

अथवा / OR

संस्कृतगीतिकाव्य के उद्भव और विकास का उल्लेख करते हुए बिल्हण एवं अमरुक के गीतिकाव्यों पर टिप्पणी लिखिए।

Discussing the origin of Sanskrit Geetikavyas and write a note on the Geetikavyasof Bilhana and Amaruka.

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4486 **C**

Unique Paper Code : 12131301

Name of the Paper : Classical Sanskrit Literature (Drama)

Name of the Course : **B.A. (H) Sanskrit – Core**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **All** questions,

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी य
अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही
होना चाहिए ।

3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

1. निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए : (3×4=12)

Translate the following :

(क) कस्यार्थः कलशेन को मृगयते वासो यथानिश्चितं
दीक्षां पारितवान् किमिच्छति पुनर्देयं गुरोर्यद् भवेत् ।
आत्मानुग्रहमिच्छतीह नृपजा धर्माभिरामप्रिया,
यद्यस्यास्ति समीप्सितं वदतु तत् कस्याद्य किं दीयताम् ॥

अथवा / OR

किं वक्ष्यतीति हृदयं परिशङ्कितं मे
कन्या मयाप्यपहृता न च रक्षिता सा ।
भाग्यैश्चलैर्महदवाप्तगुणोपघातः
पुत्रः पितुर्जनितरोष इवास्मि भीतः ॥

(ख) तीव्राघातप्रतिहततरुः स्कन्धरलग्नैकदन्तः
पादाकृष्टव्रततिवलयासङ्गसंजातपाशः ।
मूर्तो विघ्नस्तपस इव नो भिन्नसारङ्गयूथो
धर्मारण्यं प्रविशति गजः स्यन्दनालोकभीतः ॥

अथवा / OR

अभिजनवतो भर्तुः श्लाघ्ये स्थिता गृहिणीपदे
विभवगुरुभिः कृत्यैस्तस्य प्रतिक्षणमाकुला ।
तनयमचिरात् प्राचीवार्कं प्रसूय च पावनं
मम विरहजां न त्वं वत्से ! शुचं गणयिष्यसि ॥

(ग) अप्राज्ञेन च कातरेण च गुणः स्याद्भक्तियुक्तेन कः
प्रज्ञाविक्रमशालिनोऽपि हि भवेत्किं भक्तिहीनात्फलम् ।
प्रज्ञाविक्रमभक्तयः समुदिताः येषां गुणा भूतये
ते भृत्या नृपतेः कलत्रमितरे संपत्सु चापत्सु च ॥

अथवा / OR

कर्णेनेव विषाङ्गनैकपुरुषव्यापादिनी रक्षिता
हन्तुं शक्तिरिवार्जुनं बलवती या चन्द्रगुप्तं मया ।
सा विष्णोरिव विष्णुगुप्तहतकस्यात्यन्तिकश्रेयसे
हैडिम्बेयमिवैत्य पर्वतनृपं तद्वध्यमेवावधीत् ॥

2. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (3×6=18)

Explain the following with reference to context :

(क) पूर्वं त्वयाप्यभिमतं गतमेवमासी-
च्छ्लाघ्यं गमिष्यसि पुनर्विजयेन भर्तुः ।
कालक्रमेण जगतः परिवर्तमाना
चक्रारपंक्तिरिव गच्छति भाग्यपंक्तिः ॥

अथवा / OR

कः कं शक्तो रक्षितुं मृत्युकाले
रज्जुच्छेदे के घटं धारयन्ति ।
एवं लोकस्तुल्यधर्मो वनानां
काले-काले छिद्यते रुह्यते च ॥

(ख) यदालोके सूक्ष्मं व्रजति सहसा तद्विपुलतां
यदर्धं विच्छिन्नं भवति कृतसंधानमिव तत् ।
प्रकृत्या यद्वक्रं तदपि समरेखं नयनयो-
र्न मे दूरे किंचित्क्षणमपि न पार्श्वे रथजवात् ॥

अथवा / OR

यस्य त्वया व्रणविरोपणमिङ्गुदीनां
तैलं न्यषिच्यत मुखे कुशसूचिविद्धे ।
श्यामाकमुष्टिपरिवर्धितको जहाति
सोऽयं न पुत्रकृतकः पदवीं मृगस्ते ॥

(ग) कन्या तस्य वधाय या विषमयी गूढं प्रयुक्ता मया
दैवात्पर्वतकस्तया स निहतो यस्तस्य राज्यार्द्धहृत् ।
ये शस्त्रेषु रसेषु च प्रणिहितास्तैरेव ते घातिता
मौर्यस्यैव फलन्ति पश्य विविधश्रेयांसि मन्नीतयः ॥

अथवा / OR

ये याताः किमपि प्रधार्य हृदये पूर्वं गता एव ते
ये तिष्ठन्ति भवन्तु तेऽपि गमने कामं प्रकामोद्यमाः ।
एका केवलमेव साधनविधौ सेनाशतेभ्योऽधिका
नन्दोन्मूलनदृष्टवीर्यमहिमा बुद्धिस्तु मा गान्मम ॥

3. निम्नलिखित में से किसी एक की संस्कृत में व्याख्या कीजिए :

(1×7=7)

Explain any **one** of the following in Sanskrit :

चीयते बालिशस्यापि सत्क्षेत्रपतिता कृषिः ।
न शालेः स्तम्बकरिता वप्तुर्गुणमपेक्षते ॥

अथवा / OR

गच्छति पुरः शरीरं धावति पश्चादसंस्तुतं चेतः ।
चीनांशुकमिव केतोः प्रतिवातं नीयमानस्य ॥

अथवा / OR

कातरा येऽप्यशक्ता वा नोत्साहस्तेषु जायते ।
प्रायेण हि नरेन्द्रश्रीः सोत्साहैरेव भुज्यते ॥

4. प्रश्न संख्या प्रथम के रेखांकित पदों से किन्हीं चार पर व्याकरणात टिप्पणी कीजिए :- (2×4=

Write grammatical notes on any **four** of the underlin word from the question number one.

5. राक्षस के द्वारा चन्द्रगुप्त को मारने के लिए प्रयुक्त विविध उपायों क वर्णन कीजिए । (1×15=15)

Describe the various plans that were executed by Raksasa in is attempts to kill Chandragupta.

अथवा / OR

'स्वप्नवासवदत्तम्' नाटक के नामकरण पर प्रकाश डालते हुए ब्रह्मचारी के आगमन का महत्त्व समझाइए।

Throw the light on the nomenclature of the drama 'Svapnavasavadattam' and explain the importance of arrival of Brahmachari.

अथवा / OR

अभिज्ञानशाकुन्तलम् के चतुर्थ अंक का महत्त्व बताइए।

Bring out the importance of the fourth act of 'Abhijnanasakuntalam'.

6. संस्कृत नाटकों के स्वरूप का वर्णन कीजिए। (1×15=15)

Discuss the nature of Sanskrit drama.

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any **two** of the following :

भवभूति, भास, कालिदास, शूद्रक

[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4507 **C**

Unique Paper Code : 12131302

Name of the Paper : Poetics and Literary Criticism

Name of the Course : **B.A. (H) Sanskrit**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **All** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. काव्यशास्त्र के विभिन्न नामों का परिचय लिखिए। (10)

Write an introduction to the different nomenclatures of poetics.

OR / अथवा

आचार्य मम्मट के अनुसार काव्य-हेतु की समीक्षा कीजिए।

Critically examine the cause of Kavya (काव्य-हेतु) according to Acharya Mammata.

2. काव्यप्रकाश में निरूपित काव्य-लक्षण की समीक्षा कीजिए। (10)

Critically examine the definition of Kavya (काव्य-लक्षण) as described in Kavyaprakash.

OR / अथवा

रूपक को परिभाषित करते हुए उसके भेदों पर प्रकाश डालिए।

Define Rupaka and describe the its types.

3. विश्वनाथ के अनुसार गद्यकाव्य का लक्षण लिखिए और उसके भेदों पर प्रकाश डालिए। (10)

Write the definition of Prose and throw light on the types of Prose according to Vishvanath.

OR / अथवा

महाकाव्य और खण्डकाव्य का परिचय दीजिए।

Write an introduction to Mahakavya and Khandakavya.

4. मम्मट के अनुसार शब्दशक्ति के रूप में लक्षणा की समीक्षा कीजिए। (8)

Critically examine the Lakshana Shabdshakti according to Mammata.

OR / अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any **two** of the following :

(i) काव्य - भेद

(ii) तात्पर्यार्थ

(iii) कान्तासम्मित उपदेश

(iv) व्यंजना

5. भरत के रससूत्र की अनुमितिवाद-व्याख्या का मूल्यांकन कीजिए।

(11)

Evaluate the explanation of Anumitivada on Bharata's Rasasutra.

OR / अथवा

रस की अलौकिकता की व्याख्या कीजिए।

Explain the transcendental Nature (Alaukikata) of Rasa.

6. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अलंकारों का उदाहरण सहित लक्षण लिखिए जिनमें से **एक संस्कृत** में हो - (5×2=10)

Write the Definition of any **two** of the following figures of speech with example; out of which **one** must be in **Sanskrit** –

श्लेष, उपमा, रूपक, व्यतिरिक, अतिशयोक्ति

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पद्यों में अलंकार का लक्षण घटित करते हुए नाम-निर्देश कीजिए- (3×2=6)

Explain and name the figures of speech used in any **two** of the following verses –

(i) सुभगसलिलावगाहाः पाटलसंसर्गसुरभिवनवाताः ।
प्रच्छायसुलभनिद्राः दिवसाः परिणामरमणीयाः ।।

(ii) लिम्पतीव तमोऽङ्गानि वर्षतीवाञ्जनं नभः।
असत्पुरुषसेवेव दृष्टिर्विफलतां गता ।।

(iii) मुक्तेषु रश्मिषु निरायतपूर्वकाया
निष्कम्पचामरशिखा निभृतोध्वकर्णाः ।
आत्मोद्धतैरपि रजोभिरलङ्घनीया
धावन्त्यमी मृगजवाक्षमयेव रथ्याः ।।

(iv) तपति तनुगात्राणि मदनस्त्वामनिश मां
पुनर्दहत्येव
ग्लपयति यथा शशांकं न तथा हि कुमुद्वतीं
दिवसः ।।

7. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** छंदों का लक्षण एवं गणनिर्देश पूर्वक उदाहरण दीजिए- (3×2=6)

Define and illustrate any **two** of the following Meters –

आर्या, द्रुतविलम्बित, शिखरिणी, उपेन्द्रवज्रा

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** में गणनिर्देश करते हुए छन्द का नाम बताइए- (2×2=4)

Scan and name the meter in any **two** of the followings –

(i) कृष्णसारे ददच्चक्षुस्त्वयि चाधिज्यकार्मुके ।
मृगानुसारिणं साक्षात्पश्यामीव पिनाकिनम् ।।

(ii) अन्तर्हिते शशिनि सैव कुमुद्वती मे
दृष्टिं न नन्दयति संस्मरणीय शोभा
इष्टप्रवासजनितान्यबलाजनस्य
दुःखानि नूनमतिमात्रसुदुःसहानि ।।

(iii) नीवाराः शुकगर्भकोटरमुखभ्रष्टास्तरूणामधः
प्रस्निग्धाः क्वचिदिङ्गुदीफलभिदः सूच्यन्त
एवोपलाः ।
विश्वासोपगमादभिन्नगतयः शब्द सहन्ते मृगाः
स्तोयाधारपथाश्च
वल्कलशिखानिष्यन्दरेखाङ्किताः ।।

(iv) सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं
मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति ।
इयमधिकमनोज्ञा वल्कलेनापि तन्वी
किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम् ।।

5

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

C

Sr. No. of Question Paper : 4530

Unique Paper Code	:	12131303
Name of the Paper	:	Indian Social Institutions & Polity
Name of the Course	:	**B.A. Hons. LOCF, Sanskrit, Core**
Semester	:	III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. **All** questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

3. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. अधोलिखित में से किन्हीं **चार** के उत्तर दें - (15×4=60)

Answer any **four** from the following :

(i) महाभारतकालीन समाज में नारी की स्थिति का वर्णन करें।

Describe the position of women in the Mahabharata Society.

(ii) संस्कृत साहित्य में वर्णित भारतीय सामाजिक संस्थाओं की अवधारणा स्पष्ट करें।

Explain the concept of Indian social institutions as described in Sanskrit literature.

(iii) वैदिक साहित्य में भारतीय राजशास्त्र का परिचय प्रस्तत कीजिए।

Give the introduction of Indian polity in Vedic literature.

(iv) मनु के अनुसार राजा के कर्त्तव्यों का वर्णन कीजिए।

Elucidate duties of King according to Manu.

(v) भारतीय राजशास्त्र के प्रमुख सिद्धांतों का परिचय प्रस्तुत कीजिए।

Give the introduction of important principles of Indian polity.

(vi) राजनीतिशास्त्र के उद्भव तथा विकास पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on origin and development of Indian Polity.

2. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी करें - (3×3=9)

Comment upon any **three** of the following :

धर्म, जाति उत्कर्ष एवं अपकर्ष, सप्ताङ्ग सिद्धांत, शुक्रनीति

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** की संस्कृत व्याख्या करें - (1×6=6)

Explain any **one** of the following in **Sanskrit** –

(i) सर्वोपजीवकं लोकस्थितिकृन्नीतिशास्त्रकम्।

धर्मार्थकाममूलं हि स्मृतं मोक्षप्रदं यतः॥

(ii) वेदः स्मृतिः सदाचारः स्वस्य च प्रियात्मनः ।
एतत्चतुर्विधं प्राहुः साक्षाद्धर्मस्य लक्षणम् ।।

(iii) पूज्या लालयितव्याश्च स्त्रियो नित्यं जनाधिप ।
स्त्रियों यत्र च पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता ।।

6

[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No..............

C

Sr. No. of Question Paper : 4048

Unique Paper Code : 12131501

Name of the Paper : Vedic Literature

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

3. **All** questions are compulsory

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

3. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक खण्ड में से एक-एक मन्त्र की व्याख्या कीजिए : (6+6=12)

Explain **One** Mantra from each section :

खण्ड (क) / Section A

(अ) अग्निमीळे पुरोहित यज्ञस्य देवमृत्विजम्।
होतारं रत्नधातमम्॥

(ब) उषः प्रतीची भुवनानि विश्वोर्ध्वा तिष्ठस्यमृतस्य केतुः।
समानमर्थं चरणीयमाना चक्रमिव नव्यस्या ववृत्स्व॥

खण्ड (ख) / Section B

(अ) य आत्मदा बलदा यस्य विश्व उपासते प्रशिषं यस्य देवाः।
यस्य छायामृतं यस्य मृत्युः कस्मै देवाय हविषा विधेम॥

(ब) नीचा वर्तन्ते उपरि स्फुरन्त्यहस्तासो हस्तवन्तं सहन्ते ।

दिव्या अंगारा इरिणे न्युप्ता: शीता: सन्तो हृदयं निर्दहन्ति ।।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो मंत्रों का अनुवाद कीजिए : (12)

Translate any **three** out of the following Mantras :

(क) न मां मिमेथ न जिहीळ एषा शिवा सखिभ्य उत मह्यमासीत् ।

अक्षस्याहमेकपरस्य हेतोरनुव्रतामप जायामरोधम् ।।

(ख) अग्निना रयिमश्नवत् पोषमेव दिवेदिवे ।

यशसं वीरवत्तमम् ।।

(ग) तपसा चीयते ब्रह्म तत: अन्नम् अभिजायते ।

अन्नात् प्राण: मन: सत्यं लोका: कर्मसु च अमृतम् ।।

3. उषस् के वैदिक स्वरूप पर प्रकाश डालिए । (10)

Describe the Vedic features of Usas.

अथवा / OR

संज्ञान सूक्त के सामाजिक महत्त्व को स्पष्ट कीजिए ।

Describe the Social importance of Samjnana Sukta.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी कीजिए : (3+3=6)

Write note on any **Two** of the following :

(क) क्त्वार्थक प्रत्यय

(ख) वैदिक स्वरित

(ग) तुमर्थक प्रत्यय

(घ) वैदिक सुबन्त

5. प्रश्न संख्या एक के खण्ड एक से किसी एक मन्त्र का पदपाठ प्रस्तुत कीजिए। (6)

Render into Padapatha any **One** of the Mantras from section A of question No. 1.

अथवा / **OR**

पदपाठ के प्रमुख छः नियमों का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

Describe the Six main rules of Padapatha.

6. निम्नलिखित में से प्रत्येक खण्ड में से एक मन्त्र लेकर कुल दो मन्त्रों की व्याख्या कीजिए : (6+6=12)

Explain any **Two** Mantras choosing one from each section :

खण्ड (क) / Section A

(अ) ब्रह्मा देवानां प्रथमः सम्बभूव विश्वस्य कर्त्ता भुवनस्य गोप्ता ।
स ब्रह्मविद्यां सर्वविद्याप्रतिष्ठामथर्वाय ज्येठपुत्राय प्राह ।।

(ब) काली कराली च मनोजवा च सुलोहिता या च सुधूम्रवर्णा ।
स्फुलिंगिनीविश्वरूपी च देवी लेलायमाना इति सप्त जिह्वाः ।।

खण्ड (ख) / Section B

(अ) शिक्षा कल्पो व्याकरण निरुक्तं छन्दो ज्योतिषमिति ।
अथ परा यया तदक्षरमधिगम्यते ।।

(ब) यं यं लोकं मनसा संविभाति विशुद्धसत्त्वः कामयते यांश्व कामान् ।
तं तं लोकं जायते तांश्च कामांस्तस्मादात्मज्ञं ह्यर्चयेद्भूतिकातः ।।

7. मुण्डकोपनिषद् के आधार पर परा और अपरा विद्या की व्याख्या कीजिए । (10)

Explain Pra Vidya and Apra Vidya according to Mundkopanishada.

अथवा / OR

मुण्डकोपनिषद् के आधार पर मोक्ष का स्वरूप प्रतिपादित कीजिए।

Discribe about Moksha according to Mundkopnishada.

8. निम्नलिखित मन्त्र की संस्कृत में व्याख्या कीजिए : (7)

Explain the following Mantra in Sanskrit :

यस्यां समुद्र उत सिन्धुरापो

यस्यामन्नं कृष्टयः सम्बभूवुः ।

यस्यामिदं जिन्वन्ति प्राणदेजत्

सा नो भूमिः पूर्वपेये दधातु ।।

अथवा / OR

अग्निना रयिमश्नवत् पोषमेव दिवेदिवे ।

यशसं वीरवत्तमम् ।।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4085 **C**

Unique Paper Code : 12131502

Name of the Paper : Sanskrit Grammar

Name of the Course : **B.A. (H)**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1 इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

भाग क / Section A

1 निम्नलिखित किन्हीं **चार** वर्णों के उच्चारण स्थान तथा आभ्यन्तर प्रयत्न लिखिए : (4×2=8)

Write the स्थान and आभ्यन्तर of any **four** words of the following :

ओ, ङ्, छ्, र्, द्, भ्, च्, इ

2 निम्नलिखित में से किन्हीं दो संज्ञाओं की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए : (2×3=6)

Explain with examples any **two** technical terms of the following :

दीर्घः, अनुदात्तः, संहिता, पदम्, इत्

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रत्याहारों के वर्ण लिखिए : (4×1=4)

Write the letters of any **four** of the प्रत्याहार

अण्, एच्, खर्, भष्, खर्, हश्, झश्

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पदों का सूत्र निर्देश पूर्वक संधि-विच्छेद कीजिए : (5×2=10)

Disjoin Sandhis in any **five** of the following quoting relevant sutras :

धात्त्रंशः, हरये, गङ्गोदकम्, सच्चित्, तन्मात्रम्, पुरुषो हसति, हरी रम्यः

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूत्रों की व्याख्या कीजिए : (4×2=8)

Explain and illustrate any **two** of the following :

मुखनासिकावचनोऽनुनासिकः, हलोऽनन्तराः संयोगः, अकः सवर्णे दीर्घः, वृद्धिरेचि, शात्.

भाग ख / Section B

6. अन्विति 1 से तीन तथा अन्विति 2 से दो पदों को चुनकर कुल पांच पदों में सूत्रोल्लेखपूर्वकं समास सिद्धि कीजिए : (5×3=15)

Choosing Three compounds from Unit 1 and two compounds from Unit 2, explain total five formations with relevant sutras with their names :

अन्विति 1

सुमद्रम्, पञ्चगङ्गम्, द्विजार्थः, राजपुरुषः, अब्राह्मणः

अन्विति 2

पीताम्बरः, धवखदिरौ, ईशकृष्णौ, पितरौ

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूत्रों की व्याख्या कीजिए : (4×2=8)

Explain and illustrate any **two** of the following sutras :

समर्थः पदविधिः, अव्ययीभावे चाऽकाले, तृतीया तत्कृतार्थेन गुणवचनेन, नलोपो नञः, अल्पाच्तरम्

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पदों में प्रकृति-प्रत्यय स्पष्ट कीजिए : (5×2=10)

Justify प्रकृति-प्रत्यय in any **five** compounds of the following :

औपगवः, दाक्षिः, काकम्, दिश्यम्, कण्ठ्यम्, अङ्गुलीयम्, अश्ममयम्, गोत्वम्, दण्डी

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रकृति-प्रत्ययों को संयुक्त करते हुए पद-निर्माण कीजिए : (2×3=6)

Among the following प्रकृति-प्रत्यय, combine any three of them to form the respective compounds :

शिक्षा + वुन्, दन्त + यत्, गो + मतुप्, जड + ष्यञ्, दण्ड + ठन्, पण्डा + इतच्

8

[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No.....

C

Sr. No. of Question Paper : 4200

Unique Paper Code : 12137902

Name of the Paper : Art of Balanced Living

Name of the Course : B.A. (H), DSE – LOCF

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (12×3=36)

Answer any **three** of the following questions :

(i) बृहदारण्यकोपनिषद् के आधार पर आत्मज्ञान के साधन श्रवण-मनन एवं निदिध्यासन के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

Describe the nature of Hearing (śravaṇa), Reflection (manana) and meditation (nididhyāsana) as method of Self-presentation on the basis of Bṛhadāraṇyakopaniṣad.

(ii) 'योग' शब्द को स्पष्ट करते हुए आधुनिक परिप्रेक्ष्य में योग के महत्त्व को समझाइये।

Explain the importance of yoga in modem perspective by clarifying the word 'Yoga'.

(iii) पातञ्जअलयोगदर्शन में वर्णित योग के बहिरंग साधनों का वर्णन कीजिए।

Describe the external means of Yoga described in the Yoga philosophy of Patanjali.

(iv) क्रियायोग का अर्थ स्पष्ट करते हुए चित्तप्रसादन के उपायों का वर्णन कीजिए।

Explaining the meaning of Kriyā Yoga, describe the methods of chittaprasadana.

(v) गीता के आधार पर सन्तुलित जीवन के लिए "ध्यान-योग" की महत्ता का वर्णन कीजिए।

Describe the importance of Dhyāna-Yoga for balanced living on the basis of Gita.

2. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (5×5=25)

Explain the following :

(i) अध्यात्मज्ञाननित्यत्वं तत्त्वज्ञानार्थदर्शनम् ।

एतज्ज्ञानमिति प्रोक्तमज्ञानं यदतोऽन्यथा ।।

अथवा / OR

यं हि न व्यथयन्त्येते पुरुषं पुरुषर्षभ ।

समदुःखसुखं धीरं सोऽमृतत्वाय कल्पते ।।

(ii) संकल्पप्रभवान्कामांस्त्यक्त्वा सर्वानशेषतः ।

मनसैवेन्द्रियग्रामं विनियम्य समन्ततः ।।

अथवा / OR

यतो यतो निश्चरति मनश्चञ्चलमस्थिरम् ।

ततस्ततो नियम्यैतदात्मन्येव वशं नयेत् ।।

(iii) मन्मना भव मद्भक्तो मद्याजी मां नमस्कुरु ।

मामेवैष्यसि युक्त्वैवमात्मानं मत्परायणः ।।

अथवा / OR

समोऽहं सर्वभूतेषु न मे द्वेष्योऽस्ति न प्रियः ।

ये भजन्ति तु मां भक्त्या मयि ते तेषु चाप्यहम् ।।

(iv) सन्नियम्येन्द्रियग्रामं सर्वत्र समबुद्धयः ।

ते प्राप्नुवन्ति मामेव सर्वभूतहिते रताः ।।

अथवा / OR

ये तु धर्म्यामृतमिदं यथोक्तं पर्युपासते ।

श्रद्धधाना मत्परमा भक्तास्तेऽतीव मे प्रियाः ।।

(v) यज्ञशिष्टाशिनः सन्तो मुच्यन्ते सर्वकिल्बिषैः ।

भुञ्जते ते त्वघं पापा ये पचन्त्यात्मकारणात् ।।

अथवा / OR

यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जनः ।

स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते ।।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए : (3.5×2=7)

Explain any **two** of the following :

(i) चितिशक्तिरपरिणामिन्यप्रतिसङ्क्रमा दर्शितविषया शुद्धा चानन्ता च ।

(ii) दृष्टानुश्रविकविषयवितृष्णस्य वशीकारसंज्ञा वैराग्यम् ।

(iii) नासतो विद्यते भावो नाभावो विद्यते सतः ।

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए :

Explain any **one** of the following in Sanskrit : (7)

(i) समाधि

(ii) परवैराग्य

(iii) ध्यानयोग

65761

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4336 C

Unique Paper Code : 12137903

Name of the Paper : Theatre & Dramaturgy

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit DSE**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. All questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

3. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

1. संस्कृतनाट्य के मुख्य चरित्र को बताते हुए नेता के विभिन्न भेद बताइए। (12)

Describing the main character of Sanskrit drama, discuss the various types of hero.

अथवा / OR

नाट्य-मण्डप का रचना विधान बताइए।

Describe the architecture of theatre.

2. रस-निष्पत्ति सामग्री तथा प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए। (12)

Describe the components and process of Rasa-nishapatti.

अथवा / OR

संस्कृत नाट्य में मञ्च की उत्पत्ति तथा विकास की अवस्था बताइए।

Discuss the origin and development of stage in different ages.

3. भावनात्मक चित्त की विविध अवस्थाओं का निरूपण कीजिए। (12)

Describe the various emotive mantal levels.

अथवा / OR

कथावस्तु के स्वरूप को बताते हुए उसके भेद लिखिए।

Defining the nature of plot (kathavastu) describe it's various types.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर टिप्पणी लिखिए - (5×5=25)

Write short notes on any **five** of following –

(क) अर्थोपक्षेपक (Interludes)

(ख) जमान्तिक (Personal address)

(ग) प्रतिनायक (Villain)

(घ) भूमिशोधन (Examining the land)

(ङ) सात्त्विक अभिनय (Sattvika Abhinaya)

(च) काव्यास्वाद के स्तर (Levels of relishment)

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो को परिभाषित कीजिए : (7)

Define any **two** of the following :

(i) सामाजिक (Spectator)

(ii) सूत्रधार (Stage manager)

(iii) भरतवाक्य (Bharat-vakya)

6. निम्नलिखित में से किसी एक पर संस्कृतभाषा में टिप्पणी लिखिए : (7)

Write a short note on any **one** of the following in **Sanskrit** language :

(i) नेपथ्य (Green-room)

(ii) नायिका (Heroine)

Library. 28/2/23(R)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

D

Sr. No. of Question Paper : 3090

Unique Paper Code : 2022201101

Name of the Paper : Introduction to Buddhism

Name of the Course : **B.A. (Prog.) NEP-UGCF**

Semester : I [Students admitted in the year 2022]

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Attempt **any four** questions.

3. **All questions** carry equal marks.

4. Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

P.T.O.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दीजिये।

3. सभी प्रश्नों के समान अंक हैं।

4. इस प्रश्न का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिये, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Discuss the social and economic conditions of pre-Buddhistic India.

बौद्ध-पूर्व भारत की सामाजिक और आर्थिक स्थितियों का विवेचन कीजिए।

2. Write an essay on the literary sources of Buddhism.

बौद्ध धर्म को जानने के महत्वपूर्ण साहित्यिक स्रोतों पर एक निबंध लिखिए।

3. Describe the Buddha's life from his *Mahābhiniṣkramaṇa* to *Dharamacakrapravarttana*.

महाभिनिष्क्रमण से लेकर धर्मचक्रप्रवर्त्तन तक बुद्ध की जीवनी का वर्णन कीजिए।

4. Discuss the formation of the Monk's Order *(Bhikṣu* Saṅgha).

भिक्षु संघ के गठन का विवेचन कीजिए।

5. Critically evaluate the long chronology with regard to the date of Buddha.

बुद्ध की तिथि से संबन्धित दीर्घ काल-क्रम का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

6. Describe the background of the origin of Mahāsāṅghika sect.

महासांघिक संप्रदाय की उत्पत्ति की पृष्ठभूमि का वर्णन कीजिए।

7. Evaluate the role of As'oka in the spread of Buddhism.

बौद्ध धर्म के प्रसार में अशोक की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3122 **D**

Unique Paper Code : 2022201102

Name of the Paper : Introduction to Buddhist Literature

Name of the Course : **B.A. (Prog.) NEP-UGCF**

Semester : I [Students admitted in the year 2022]

Duration : 3 Hours
समय : 3 घंटे

Maximum Marks : 90
पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Attempt any four questions.

3. All questions carry equal marks.

P.T.O.

4. Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. किन्ही चार प्रश्नों का उत्तर दीजिये।

3. सभी प्रश्नों के समान अंक हैं।

4. इस प्रश्न का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिये, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Discuss the different views with regard to the origin of 'Pāli' language..

'पालि' भाषा के उद्भव के संदर्भ में विभिन्न मतों का विवेचन कीजिए।

2. Describe the role of the Third Buddhist Council in the spread of Buddhism.

बौद्ध धर्म के प्रचार में तृतीय बौद्ध संगीति की भूमिका का वर्णन कीजिए।

3. What do you know about the Sutta Piṭaka ? Discuss in detail.

सुत्तपिटक के बारे में आप क्या जानते हैं? विस्तृत विवेचन कीजिए ।

4. Write an essay on the Nava Vaipulya-sutra.

नव वैपुल्य-सूत्र पर एक निबंध लिखिए।

5. Discuss the subject matter of Ariyapariyesanasutta.

अरियपरियेसनसुत्त की विषय-वस्तु का विवेचन कीजिए।

6. Give an account of the Buddha's biography on the basis of Nidānakatha.

निदानकथा के आधार पर बुद्ध के जीवन-वृत्त का विवरण दीजिए ।

7. Describe the early life of the Buddha on the basis of Mahāvagga.

महावग्ग के आधार पर बुद्ध के प्रारम्भिक जीवन का वर्णन कीजिए ।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 3136 D

Unique Paper Code : 2132201102

Name of the Paper : Sanskrit Poetry

Name of the Course : Prog.

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer All questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

P.T.O.

3136

1 निम्नलिखित प्रत्येक भाग में से दो-दो श्लोकों की व्याख्या कीजिए। (7×6=42)

Explain two shlokas from each part :

खण्ड (क)

(i) वागर्थाविव संपृक्तौ वागर्थप्रतिपत्तये ।
जगतः पितरौ वन्दे पार्वतीपरमेश्वरौ ।।

(ii) यथाविधिहुताग्नीनां यथाकामार्चितार्थिनाम् ।
यथापराधदण्डानां यथाकालप्रबोधिनाम् ।।

(iii) रघूणामन्वयं वक्ष्ये तनुवाग्विभवोऽपि सन् ।
तद्गुणैः कर्णमागत्य चापलाय प्रचोदितः ।।

(iv) व्यूढोरस्को वृषस्कन्धः शालप्रांशुर्महाभुजः ।
आत्मकर्मक्षमं देहं क्षात्रो धर्म इवाश्रितः ।।

खण्ड (ख)

(i) सर्वकार्यशरीरेषु मुक्त्वाङ्गस्कन्धपञ्चकम् ।
सौगतानामिवात्मान्यो नाऽस्ति मन्त्रो महीभृताम् ।।

(ii) आत्मोदयः परज्यानिर्द्धयं नीतिरितीयती ।
तदूरीकृत्य कृतिभिर्वाचस्पत्यं प्रतायते ।।

(iii) सम्पदा सुस्थिरमन्यो भवति स्वल्पयाऽपि यः ।
कुतकृत्यो विधिर्मन्ये न वर्धयति तस्य ताम् ।।

(iv) तेजस्विमध्ये तेजस्वी दवीयानपि गण्यते ।
पश्चमः पञ्चचतपसस्तपनो जातवेदसाम् ।।

खण्ड (ग)

(i) दिक्कालाद्यनवच्छिन्नानन्तचिन्मात्रमूर्तये ।
स्वानुभूत्येकमानाय नमः शान्ताय तेजसे ।।

(ii) कृमिकुलचितं लालाक्लिन्नं विगन्धिजुगुप्सितं,
निरुपमरसं प्रीत्या खादन्नरास्थि निरामिषम् ।
सुरपतिमपि श्वा पार्श्वस्थं विलोक्य न शङ्कते,
न हि गणयति क्षुद्रो जन्तुः परिग्रहफल्गुताम् ।।

(iii) शक्यो वारयितुं जलेन हतभुक् छत्रेण सूर्यातपो
नागेन्द्रो निशिताङ्कुशेन समदो दण्डेन गोगर्दभौ ।
व्याधिर्भेषजसङ्ग्रहैश्च विविधैर्मन्त्रप्रयोगैर्विषं
सर्वस्यौषधमस्ति शास्त्रविहितं मूर्खस्य नास्त्यौषधम् ।।

(iv) साहित्यसङ्गीतकलाविहीनः साक्षात्पशुः पुच्छविषाणहीनः ।
तृणं न खादन्नपि जीवमानस्तद्भागधेयं परमं पशूनाम् ।।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर निबन्ध लिखिए : (3×10=30)

Write essay on any three of the following :

(i) कालिदास की शैली

(ii) माघे सन्ति त्रयो गुणाः

(iii) शिशुपालवध के द्वितीय सर्ग का कथासार

(iv) मूर्खों के प्रकार

3. महाकाव्य के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए। (10)

Throw light on the origin and development of the 'Mahakavya'.

अथवा/ (Or)

प्रमुख गीतिकाव्यों पर निबन्ध लिखिये।

Write an essay on main Gitikavya's.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (2×4=8)

Write short notes on any **two** of the following :

कालिदास, नीतिशतकम्, नैषधीयचरितम्, भारवि।

13

[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3392 **D**

Unique Paper Code : 2135001001

Name of the Paper : Basic Principles of Ayurveda

Name of the Course : **Prog.**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **All** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. (क) आयुर्वेद के प्रयोजन को बतलाते हुए आयुर्वेद के इतिहास पर निबन्ध लिखिए। (10)

Explaining the aims of Ayurveda write an essay on the history of Ayurveda.

अथवा / OR

आयुर्वेद के प्रमुख ग्रन्थ एवं उनके लेखकों पर प्रकाश डालिए।

Through light on major texts and their authors of Ayurveda.

(ख) निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए : (10×3=30)

(i) ब्राह्मी

(ii) वाग्भट

(iii) आमला

(iv) भूतविद्या

Write short notes on any **three** of the following topics :

(i) Brahmi

(ii) Vagbhata

(iii) Amala

(iv) Bhutavidya

अथवा / OR

निम्नलिखित विषयों में से किन्ही तीन पर टिप्पणी लिखिए :

(i) सुश्रुतसंहिता

(ii) नीम

(iii) अश्वगन्धा

(iv) आयुर्वेद शब्द का अर्थ

Write short notes on any **three** of the following topics :

(i) Susrutsamhita

(ii) Neema

(iii) Ashwagandha

(iv) Meaning of Ayurveda

2. आयुर्वेद के अनुसार सप्तधातु का विवेचन कीजिए। (15)

Explain the concept of 'Saptadhatu' according to Ayurveda.

अथवा / OR

त्रिदोष पर विस्तृत विवेचन कीजिए।

Write a comprehensive notes on 'Tridosha'.

3. काय चिकित्सा एवं कौमारभृत्य पर लघु निबन्ध लिखिए। (15)

Write short notes on 'Kayacikitsa' and 'Kaumarabhrtya'.

अथवा / OR

रसायन एवं वाजीकरण पर लघु निबन्ध लिखिए।

Write short notes on 'Rasayana' and 'Vajikarana'.

4. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं दो पर टिप्पणी कीजिए :

(10×2=20)

(i) तुलसी

(ii) गुग्गुलु

(iii) त्रिमल

(iv) अर्जुन

Write short notes on any **two** of the following topics :

(i) Tulsi

(ii) Guggulu

(iii) Trimalas

(iv) Arjun

अथवा / OR

निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी कीजिए :

(i) सर्पगन्धा

(ii) त्रयोदशाग्नि

(iii) हरिद्रा

(iv) जामुन

Write short notes on any **two** of the following topics :

(i) Sarpagandha

(ii) Trayodasagni

(iii) Haridra

(iv) Jamun

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3433 C

Unique Paper Code : 62131802

Name of the Paper : Sanskrit as MIL B-2-Grammar and Composition

Name of the Course : **B.A. (PROG.) MIL**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answers **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

P.T.O.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी कीजिए- (5×2=10)

Write a short note **on** any **two** of the following :

अयादि, रुत्व, जश्त्व, वृद्धि

2. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पदों का संधि-विच्छेद कीजिए- (5×2=10)

Split Sandhis in any **five** of the following :

रामो लिखति, रामष्टीकते, महेन्द्र, वनौषधिः, श्रीशः, पुनश्च, सूर्योदयः

3. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पदों में संधि कीजिए- (5×2=10)

Join sandhis in any **five** of the following :

ने + अनम्, गिरि + ईशः, धर्म + अर्थः, इतः + ततः, एतत् + मुरारिः, दिक् + गजः, रामः + हसति

4. निम्नलिखिंत में से किन्हीं पाँच पदों का विग्रह-उल्लेखपूर्वक समास परिचय दीजिए- (5×2=10)

Split and name the Samasa in any **five** words.

मातापितरौ, दशमुखः, रामलक्ष्मणौ, उपकृष्णम्, चौरभयम्, राजपुरुषः, अनश्वः, अधिहरि

5. निम्नलिखित में से किसी एक पर टिप्पणी कीजिए- (1×5=5)

Write a short note on any **one** of the following :

अव्ययीभाव अथवा बहुव्रीहि

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पदों का प्रकृति-प्रत्यय परिचय दीजिए- (5×1=5)

Write down the root and suffix of any **five** of the following words :

पाठ्यः, हेयम्, हसितवान्, सेवितुम्, गन्तव्यम्, लेखनीयम्, कृत्वा, वर्तमानः

7. निम्नलिखित में से प्रकृति-प्रत्यय को मिलाकर किन्हीं **पाँच** पदों का निर्माण कीजिए- (5×1=5)

Join the root and suffix of any **five** of the following words :

हृ+ण्यत्, पा+यत्, चल्+तुमुन्, जि+क्त्वा, पच्+अनीयर्, दा+तव्यत्, गम्+शतृ, भी+ल्युट्।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए- (5×2=10)

Translate any **five** of the following sentences in to **Sanskrit.**

(i) मोहन विद्यालय जाता है।

Mohan goes to school.

(ii) रमेश गेंद से खेलता है।

Ramesh plays with ball.

(iii) तुम दोनों पढ़ते हो।

You both read.

(iv) मैं गाना गाता हूं।

I sing a song.

(v) राधा पत्र लिखती है।

Radha writes a letter.

(vi) तुम सब लेख लिखते हैं।

You all write an article.

(vii) राम दौड़ता है।

Ram runs.

(viii) तुम मन्दिर जाते हो।

You go to temple.

9. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए- (10)

Write an essay in Sanskrit on any **one** of the following :

(i) सत्संगति:

(ii) मम महाविद्यालय:

(iii) मम प्रियकवि:

(iv) परोपकार:

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

C

Sr. No. of Question Paper : 3448

Unique Paper Code : 62024320

Name of the Paper : Indian Buddhist Philosophy (BS-CBCS--503)

Name of the Course : **B.A. (Prog.) CBCS Buddhist Studies**

Semester : III [Students admitted in and after the year 2019]

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English but the same medium should be used throughout the paper.
3. Attempt **four** questions in all. Question no. 7 is compulsory. Marks are indicated against each question.

P.T.O.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. कुल चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये । प्रश्न संख्या 7 अनिवार्य है । निर्धारित अंक प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख अंकित है ।

1. Discuss the concern and goal of Buddhist philosophy. (20)

बौद्ध दर्शन की चिंता एवं लक्ष्य का विवेचन कीजिए ।

2. Explain the the *Ārya Aṣṭāṅgika Mārga*. (20)

आर्य अष्टांगिक मार्ग की व्याख्या कीजिए ।

3. Write an essay on the concept of *Anātma* (*Anatta*). (20)

अनात्म (*अनत्ता*) की अवधारणा पर एक निबंध लिखिए ।

4. What do you mean by *Nibbāna*? Discuss its different types? (20)

आप *निब्बान* से क्या समझते हैं ? इसके विभिन्न प्रभेदों का विवेचन कीजिए ।

5. Discuss the philosophy of *Sautrāntika*. (20)

सौत्रांतिक दर्शन का विवेचन कीजिए ।

6. Discuss the philosophy of *Sūnyavāda*. (20)

शून्यवाद के दर्शन का विवेचन कीजिए ।

7. Write short notes on any **two** of the following : (15)

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर लघु टिप्पणी लिखिए :

(i) Anitya

अनित्य

(ii) Asamskrta dharma

असंस्कृत धर्म

(iii) Vedanā skandha

वेदना स्कन्ध

(iv) Ālayavijñāna

आलयविज्ञान

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3199 C

Unique Paper Code : 62027501

Name of the Paper : Buddhist Cultural History and Heritage (BS-CBCS—505)

Name of the Course : **B.A. (Prog.) CBCS Buddhist Studies**

Semester : V [Students admitted in and after the year 2019]

Duration : 3 Hours
समय : 3 घण्टे

Maximum Marks : 75
पूर्णांक : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Attempt **four** questions in all. Question no. 7 is compulsory. Marks are indicated against each question.

P.T.O.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिये । प्रश्न संख्या 7 अनिवार्य है । निर्धारित अंक प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख अंकित हैं ।

1. Write an essay on the origin and development of Buddhist iconography. (20)

बौद्ध मूर्तिकला के उद्भव एवं विकास पर एक निबंध लिखिए ।

2. Discuss the history of Sāñchī Stūpa. (20)

सांची स्तूप के इतिहास का विवेचन कीजिए ।

3. Describe Nalanda University and its royal patrons. (20)

नालंदा विश्वविद्यालय एवं इसके राजकीय संरक्षकों का वर्णन कीजिए ।

4. Discuss the role of Kaniṣka in the dissemination of Buddhism. (20)

बौद्ध धर्म के प्रसार में कनिष्क की भूमिका का विवेचन कीजिए।

5. Discuss the importance of Rājagṛha in the history of Buddhism. (20)

बौद्धधर्म के इतिहास में राजगृह के महत्त्व का विवेचन कीजिए।

6. Discuss the *Vinayapiṭaka*. (20)

विनयपिटक का विवेचन कीजिए।

7. Write short notes on any **two** of the following : (7½×2=15)

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर लघु टिप्पणी लिखिए :

(a) Vaiśālī

वैशाली

(b) Bharahuta

भरहुत

(c) Harşa

हर्ष

(d) Jātaka

जातक

17

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3117 **D**

Unique Paper Code : 2132201101

Name of the Paper : DSC-1 Sanskrit Grammar

Name of the Course : **B.A. Prog.**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. **All** questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक खण्ड से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी कीजिए :

Comment on any **two** from each of the following sections :

खण्ड अ
Section A

प्रत्याहार, अनुदात्त, लोप, इत् । (6.5×2=13)

खण्ड ब
Section B

अयादि सन्धि, पूर्वरूप सन्धि, श्चुत्वसन्धि, विसर्ग सन्धि (6.5×2=13)

खण्ड स
Section C

सम्प्रदान, सम्बोधन, अधिकरण, कर्ता । (6.5×2=13)

2. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रत्याहारों के वर्ण लिखिए : (5)

Write the Varna's of any **five** pratyaharas of the following :

शर्, चर्, अच्, इक्, यण्, हल्, अक् ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं छः के उच्चारणस्थान लिखिए : (6)

Write the place of pronunciation of any **six** of the following :

त्, ओ, ऋ, ब्, ज्, घ्, इ, भ् ।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** की परिभाषा सोदाहरण दीजिए : (2.5×4=10)

Define with example any **four** of the following :

सवर्ण, संयोग, स्वरित, अनुनासिक, इत्, अपादान ।

5. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **पाँच** पदों की सन्धिविच्छेद प्रदर्शित कीजिए : (1×5=5)

Disjoin any **five** padas from the following words :

उपेन्द्रः, कृष्णैकत्वम्, नायकः, सुध्युपास्यः, हरिश्शेते, विष्णवे, रामष्टीकते, गङ्गोदकम्, श्रीशः ।

6. समास के किन्हीं दो भेदों का विवेचन उदाहरण सहित कीजिए। (10)

Describe any **two** types of compound with the help of examples.

7. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच रेखांकित पदों के विभक्ति का कारण बताइए : (3×5=15)

Explain the reason of application of the case-ending in any **five** of the following underlined words :

(क) छात्रः <u>कन्दुकेन</u> क्रीडति।

(ख) धावतः अश्वात् पतति।

(ग) <u>गर्गान्</u> शतं दण्डयति।

(घ) <u>प्रजाभ्यः</u> स्वस्ति।

(ङ) <u>विप्राय</u> गां ददाति।

(च) <u>विष्णवे</u> नमः।

(छ) <u>सतां</u> गतम्।

(ज) <u>कटे</u> आस्ते।

[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 3487 **C**

Unique Paper Code : 62134309

Name of the Paper : Sanskrit Drama

Name of the Course : **DSC (P)**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** the questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

1 निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए :

Translate the following : (3×5=15)

(क) आरब्धे पटहे स्थिते गुरुजने भद्रासने लङ्घिते
स्कन्धोच्चारणनम्यमानवदनप्रच्योतितोये घटे ।
राज्ञाहूय विसर्जिते मयि जनो धैर्येण मे विस्मितः
स्वः पुत्रः कुरुते पितुर्यदि वचः कस्तत्र भो ! विस्मयः ? ॥

अथवा / OR

कर्णौ त्वरापहृतभूषणभुग्नपाशौ संस्रंसिताभरणगौरतलौ च हस्तौ ।
एतानि चाभरणभारनतानि गात्रे स्थानानि नैव समतामुपयान्ति तावत् ॥

(ख) एते ते देवतानामसुरपुरवधे गच्छन्त्यभिसरी-
मेते ते शक्रलोके सपुरजनपदा यान्ति स्वसुकृतैः ।
एते ते प्राप्नुवन्तः स्वभुजबलजितां कृत्स्नां वसुमती-
मेते ते, मृत्युना ये चिरमनवसिताश्छन्दं मृगयता ॥

अथवा / OR

हृदय ! भव सकामं यत्कृते शङ्कसे त्वं

शृणु पितृनिधनं तद् गच्छ धैर्यं च तावत् ।

स्पृशति तु यदि नीचो मामयं शुल्कशब्द-

स्त्वथ च भवति सत्य तत्र देहो विशोध्यः ॥

(ग) भुक्त्वा चिराय चतुरन्तमहीसपत्नी

दौष्यन्तिमप्रतिरथं तनयं निवेश्य ।

भर्त्रा तदर्पितकुटुम्बभरेण सार्धं

शान्ते करिष्यसि पदं पुनराश्रमेऽस्मिन् ॥

अथवा / OR

शुश्रूषस्व गुरून्कुरु प्रियसखीवृत्तिं सपत्नीजने

भर्तुर्विप्रकृतापि रोषणतया मा स्म प्रतीपं गमः ।

भूयिष्ठं भव दक्षिणा परिजने भाग्येष्वनुत्सेकिनी

यान्त्येवं गृहिणीपदं युवतयो वामाः कुलस्याधयः ॥

2. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(2×7=14)

Explain the following with reference to context :

(क) यस्य त्वया व्रणविरोपणमिङ्गुदीनां

तैलं न्यषिच्यत मुखे कुशसूचिविद्धे ।

श्यामाकमुष्टिपरिवर्धितको जहाति

सोऽयं न पुत्रकृतकः पदवीं मृगस्ते ।।

अथवा / OR

अनुमतगमना शकुन्तला

तरुभिरियं वनवासबन्धुभिः ।

परभृतविरुतं कलं यथा

प्रतिवचनीकृतमेभिरीदृशम् ।।

(ख) पितुः प्राणपरित्यागं मातुरैश्वर्यलुब्धताम् ।

ज्येष्ठभ्रातुः प्रवासं च त्रीन् दोषान् कोऽभिधास्यति ?

अथवा / OR

समं बाष्पेण पतता तस्योपरि ममाप्यधः ।

पितुर्मे क्लेदितौ पादौ ममापि क्लेदितं शिरः ।।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दीजिये : (2×8=16)

Answer any two of the following :

'तत्रापि च चतुर्थोऽङ्कः' - इस कथन की व्याख्या कीजिए।

Explain the statement - "तत्रापि च चतुर्थोऽङ्कः"

अथवा / OR

प्रतिमानाटक के प्रथम अंक का सार लिखिए।

Write the Summary of first Act of "Pratima nataka".

अथवा / OR

'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' के आधार पर कालिदास के नाट्यशैली की विवेचना कीजिए।

On the basis of 'Abhijnanashakuntalam' analyze the d amatic art of Kalidas.

अथवा / OR

'प्रतिमा नाटक' के तृतीय अङ्क के श्लोकों का सार अपने शब्दों में लिखिए।

Write the summary of the verses of the third act of 'Pratima nataka'.

4. प्रश्न संख्या 1 एवं 2 के अधोरेखांकित पदों से किन्हीं पांच पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए। (1×5=5)

Write grammatical notes on any **five** of the underlined word from the question number **one** & **Two**.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (3×3=9)

Write short notes on any **three** of the following :

नायक, अङ्क, कञ्चुकी, सूत्रधार, नान्दी।

6. संस्कृत नाटकों के स्वरुप का वर्णन कीजिए। (1×8=8)

Discuss the nature of Sanskrit drama.

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (2×4=8)

Write short notes on any **two** of the following :

विशाखदत्त, श्रीहर्ष, भास, कालिदास

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

C

Sr. No. of Question Paper : 3326

Unique Paper Code : 62137901

Name of the Paper : Mathematical Tradition in Sanskrit, DSE, LOCF

Name of the Course : **B.A. (Prog.)**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Attempt any **five** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

3. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. गणित की वैज्ञानिकता को स्पष्ट करते हुए वेदांगज्योतिष में वर्णित गणित के महत्त्व पर प्रकाश डालिए। (15)

Elucidating the science behind Mathematics, throw light on the importance of mathematics as describe in the Vedangajyotisha.

2. गणित की वैज्ञानिकता को बतलाते हुए त्रैराशिक नियम को स्पष्ट कीजिए। (15)

Describing the science of mathematics elucidate the Rule of त्रैराशिक.

3. भास्कराचार्य के अनुसार गुणन के प्रकारों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। (15)

Elucidate the types of multiplication with example according to Bhaskaracharaya.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो को परिभाषित कीजिए : (7.5×2=15)

Define any **two** of the following :

(i) शून्य : Zero

(ii) दशमलव : Decimal

(iii) अंक : Digit

(iv) वर्ग एवं वर्गमूल : Square and square root

5. आर्यभटीयम् के गीतिकापाद के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए। (15)

Evaluate the importance of Gitikapada of Aryabhatiyam.

6. महाभारत एवं पुराणों में वर्णित गणितीय परम्परा का संक्षिप्त परिचय दीजिए। (15)

Give a brief introduction of Mathematical tradition as described in the Mahabharata and Puranas.

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (7.5×2=15)

Write short notes on any **two** of the following :

(i) कमलाकर : Kamlakar

(ii) जयसिंह : Jaysingh

(iii) सुधाकर द्विवेदी : Sudhakar Dwivedi

(iv) आर्यभट्ट प्रथम : Aryabhatta-I